वाराणसी के विशप हाउस में विश्व शान्ति हेतु सर्व धर्म सम्मेलन का आयोजन

ब्रह्माकुमारीज़ को विशिष्ट अतिथि के रूप में निमन्त्रण, दिया विश्व शान्ति का संदेश

वाराणसी । पूर्वांचल का सुविख्यात चर्च 'बिशप हाउस' कैण्ट में विश्व शान्ति के लिए सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन हुआ। क्रिश्चियन मिशनरीज के तत्वावधान में आयोजित उक्त कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ को विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष निमन्त्रण प्राप्त हुआ। संस्था की ओर से राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. तापोशी बहन के साथ ब्र.कु. सरिता बहन ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर विश्व शान्ति का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित वाराणसी के अनेक धर्मावलम्बियों एवं विशिष्टजनों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. तापोशी बहन ने कहा कि – ब्रह्माकुमारीज़ वैश्विक परिवार का नारा ही है – एक विश्व, एक विश्व पिता और एक विश्व परिवार। विभिन्न धर्म और भाषा में विभिन्न नाम एवं पद्धति से याद किए जाने वाले ज्योर्तिबिन्दू स्वरूप परमात्मा शिव ही सर्व मनुष्यआत्माओं के एकमात्र पिता ह। जिन्हें परमात्मा, गॉड, अल्लाह, खुदा, सद्गुरू आदि नाम दिए गए हैं। सारा विश्व उनसे ही शान्ति की कामना करता है। वह शान्ति का सागर परमात्मा हम सभी मनुष्यआत्माओं का पिता होने के नाते हमारा वास्तविक स्वधर्म ही शान्ति है। इसलिए हमें अपने पिता के मूल कर्तव्य म स्थित होकर कर्म करने की जरूरत है। जिससे विश्व में स्वतः ही शान्ति का उद्गम होगा। उन्होंने कहा कि धर्मपिता ईशु मसीह का भी यही संदेश है कि हम सभी विश्व शान्ति के लिए सर्व प्रथम खुद को शान्त रखकर हर कर्म करें।

कार्यक्रम को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. पृथ्वीशनाग ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया। उन्होंने विभिन्न धर्म और सम्प्रदाय क अनुयायीयों को अपने आचरण से विश्व शान्ति में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम को बौद्ध भिक्षु के सिरी सुमेध थेरो के अलावा मुस्लिम धर्म गुरू, सिक्ख धर्म के ग्रन्थी एवं जैन मुनि आदि ने भी सम्बोधित किया।

बिशप हाउस कैण्ट के बिशप युगेन जोसफ ने विश्व शान्ति हेतु ईशा मसीह का संदेश देते हुए सभी धर्मावलम्बि एवं उपस्थित विशिष्टजनों का हार्दिक आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन मैत्री भवन के निदेशक फादर चंद्रकांत ने किया। कार्यक्रम के अन्त में राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. तापोशी बहन एवं ब्र.कु. सरिता को बिशप ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ब्र.कु. बहनों ने कार्यक्रम के उपस्थित अनेक विशिष्टजनों से मुलाकात कर उन्हें परमात्म संदेश दिया।